## 37. राज्य मानवाधिकार आयोग

❐ राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग ने कब से कार्य करना आरम्भ किया? [II Grade (Urdu) 2011] [Asst. Professor- 7.1.2024][राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-14.7.2018 (II)] [Police Constable-2007(I)] [द्वितीय श्रेणी शिक्षक-2014]

(1)अप्रैल 2011(2)मार्च 2000(3) मार्च2002(4) जून 1999

**Ans.** (2)

*व्याख्या-मानव अधिकारों की रक्षा के लिए पहली बार राज्य में मानवाधिकार आयोग का गठन मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 के अध्याय V की धारा 21 (1) के तहत 18 जनवरी, 1999 को किया गया। आयोग ने 23 मार्च, 2000 से विधिवत रूप से कार्य प्रारम्भ किया। मुख्य कार्यालय जयपुर में है।*

❐ राजस्थान की राज्य सरकार ने राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के गठन की अधिसूचना कब जारी की? [II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -17.02.2019] [द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-01.05.2017], [जेल प्रहरी-2017][राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.05.2022]

(1) 16 मार्च, 2001 (2) 17 जनवरी, 1998
(3) 19 फरवरी, 1997 (4) 18 जनवरी, 1999

**Ans.** (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के कौन से अध्याय में राज्य मानवाधिकार आयोग संबंधी प्रावधान किये गये हैं? [Protection Officer -28.01.2023]

(1) अध्याय-IV (2) अध्याय -V
(3) अध्याय -VIII (4) अध्याय -VII

**Ans.** (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा एक समिति की सिफारिश पर की जायेगी जो मिलकर बनेगी-[कॉलेज व्याख्याता-30.5.2019]

(1) मुख्य न्यायमूर्ति, मुख्यमंत्री, विधान सभा के अध्यक्ष और गृहमंत्री
(2) मुख्यमंत्री, विधानसभा के अध्यक्ष, गृहमंत्री और विपक्ष के नेता
(3) राज्यपाल, मुख्यमंत्री, गृहमंत्री और वित्त मंत्री
(4) मुख्यमंत्री, विधानसभा के अध्यक्ष, गृहमंत्री और वित्त मंत्री

**Ans.** (2)

*व्याख्या : राज्य मानवाधिकार आयोग (SHRC) के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति (धारा 22) राज्यपाल द्वारा एक समिति की सिफारिश पर की जाती है। इस समिति में निम्नांकित शामिल होते हैं-*

*(1) मुख्यमंत्री-अध्यक्ष (2) विधानसभा अध्यक्ष - सदस्य, (3) उस राज्य का गृहमंत्री - सदस्य, (4) विधानसभा में विपक्ष का नेता - सदस्य (राजस्थान में नहीं है) (5) विधान परिषद् (यदि हो) तो उस परिषद् का सभापति व परिषद् में विपक्ष का नेता-सदस्य (राजस्थान में नहीं है)*

❐ राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की चयन समिति में निम्नलिखित में से कौन नहीं होता है? [Fireman Exam -29.1.2022] [CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) मुख्यमंत्री (2) गृह मंत्री(3) विपक्ष का नेता(4) राज्यपाल

**Ans.** (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ RSHRC के अध्यक्ष की नियुक्ति की जाती है- [पटवार-23.10.2021 (Shift -II)]

(1) मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति की अनुशंसा पर राज्यपाल द्वारा
(2) राष्ट्रपति की स्वीकृति लेने के बाद राज्यपाल द्वारा
(3) सोच-समझकर राज्यपाल द्वारा
(4) मुख्यमंत्री की सलाह पर राज्यपाल द्वारा

**Ans.** (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा एक समिति की सिफारिश पर की जाती है, जिसमें कौन शामिल नहीं होता है- [Asst. Jailer Exam-15.03.2016] [CET : 07.01.2023 (S-1)]

(1) मुख्यमंत्री (2) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(3) विधानसभा का विपक्ष का नेता(4) विधानसभा अध्यक्ष

**Ans.** (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की निम्नलिखित में से किस धारा में राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति के प्रावधान का उल्लेख है? [PTI (Grade II)-30.4.2023] [II Grade (Sanskrit Dept.) -12.2.2023(S-II)] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.06.2024 (II)]

(1) 24 (2) 21 (3) 22 (4) 23

**Ans.** (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ **राजस्थान मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल एक समिति की अनुशंसा पर करते हैं, जिसका अध्यक्ष होता है-**

[द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-01.05.2017, 28.10.2018]
[CET : 05.02.2023 (S-II)] [पटवार-24.10.2021 (Shift -I)]
[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) प्रभारी मंत्री, गृह विभाग (2) मुख्यमंत्री
(3) विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (4) विधानसभा अध्यक्ष

**Ans.** (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग का विन्यास है-**[पुलिस उपनिरीक्षक-7.10.2018][II Grade GK-22.12.2022]

(1) 1 अध्यक्ष एवं 3 सदस्य
(2) 1 अध्यक्ष, 1 उपाध्यक्ष एवं 1 सचिव
(3)1 अध्यक्ष एवं 2 सदस्य (4) 1 अध्यक्ष एवं 4 सदस्य

**Ans.** (3)

***व्याख्या :*** *27 जुलाई 2019 को अधिसूचित मानवाधिकार संशोधन अधिनियम 2019 द्वारा अब उच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश के अलावा उच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त न्यायाधीश भी राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकेगा। अध्यक्ष के अलावा इस आयोग में 2 सदस्य होंगे। एक सदस्य जो उच्च न्यायालय का न्यायाधीश है या रहा है या राज्य में जिला न्यायाधीश है या रहा है तथा उसे जिला न्यायाधीश के रूप में कार्य करने का कम से कम 7 वर्ष का अनुभव हो। एक सदस्य जिसकी नियुक्ति उन व्यक्तियों में से की जायेगी जिन्हें मानवाधिकारों से सम्बन्धित मामलों का विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव हो।*

❑ **कौनसा कथन राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के बारे में सही नहीं है-** [CET : 04.02.2023 (S-I)]

(1) अन्य सदस्य उच्च न्यायालय अथवा जिला न्यायालय के न्यायाधीश अथवा मजिस्ट्रेट हों अथवा रहे हों।
(2) अध्यक्ष व अन्य सदस्यों की नियुक्ति गवर्नर द्वारा की जाती है।
(3) यह एक बहु सदस्यीय निकाय है जिसमें अध्यक्ष व दो अन्य सदस्य होते हैं।
(4) अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय का सेवानिवृत्त न्यायाधीश होता है।

**Ans.** (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के संदर्भ में सही कथन है?**[स्कूल व्याख्याता (शारीरिक शिक्षा)-21.10.2022]

(1) राज्य सरकार ने 1 जनवरी, 1999 को मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के साथ राज्य मानवाधिकार आयोग के गठन के लिए एक अधिसूचना जारी की।
(2) यह एक स्वायत्त निकाय है। इसके अध्यक्ष और सदस्यों का एक निश्चित कार्यकाल होता है।
(3) इसे अधिनियम की धारा 35 के अनुसार वित्तीय स्वायत्तता भी प्राप्त है।
(4) इसकी कोई जांच एजेंस नहीं है, यह सरकारी जांच पर बहुत अधिक निर्भर है।

**Ans.** (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **मानव अधिकार संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग (अध्यक्ष के अतिरिक्त) में सदस्य/सदस्यों की संख्या कितनी है?**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (I)]

(1) 1 (2) 2 (3) 3 (4) 4

**Ans.** (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्नांकित में से कौनसे कथन राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के सम्बन्ध में सही है?**

[RAS Exam - 05.08.2018]

1. इसका गठन राजस्थान सरकार की 18 जनवरी, 1999 की एक अधिसूचना द्वारा हुआ।
2. यह आयोग मार्च, 2000 से क्रियाशील हुआ।
3. मानव अधिकार संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2006 के अनुसार आयोग में एक अध्यक्ष एवं 3 सदस्यों का प्रावधान किया गया है।
4. इसके भूतपूर्व अध्यक्षों में से एक उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश रहे हैं।

सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कूट से कीजिए-

(1) 1, 2 और 3 (2) 1, 2 और 4
(3) 2, 3 और 4 (4) 2 और 3

**Ans.** (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान मानवाधिकार आयोग के किसी सदस्य द्वारा अधिकतम किस उम्र तक पद धारित किया जा सकता है?** [कॉलेज व्याख्याता-30.05.2019][जेल प्रहरी - 2017]

(1) 65 वर्ष (2) 62 वर्ष
(3) 67 वर्ष (4) 70 वर्ष

**Ans.** (4)

Scanned with OKEN Scanner

*व्याख्या – सदस्यों की पदावधि ( धारा 24 ) : पूर्व में राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष या सदस्य अपने पद ग्रहण करने की तिथि से 5 वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक थी,*

*परन्तु मानवाधिकार संशोधन विधेयक 2019 द्वारा कार्यकाल घटाकर 3 वर्ष 70 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक कर दिया गया है। साथ ही अध्यक्ष को पुनर्नियुक्ति हेतु योग्य कर दिया गया है।*

❐ **राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष की पदावधि का उल्लेख मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की निम्नलिखित में से किस धारा में किया गया है–**[II Grade (Sans.Dept.) -12.2.2023(S-I)]

(1) 25 (2) 21 (3) 22 (4) 24

**Ans.** (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष का पद रिक्त होने की स्थिति में अध्यक्ष के रूप में कौन कार्य करता है?** [II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -17.02.2019]

(1) राज्यपाल सदस्यों में से किसी एक सदस्य को अध्यक्ष के रूप में प्राधिकृत कर सकते हैं।

(2) मुख्यमंत्री सदस्यों में से किसी एक सदस्य को अध्यक्ष के रूप में प्राधिकृत कर सकते हैं।

(3) राष्ट्रपति एक नए अध्यक्ष की नियुक्ति करेंगे।

(4) गृह विभाग के मंत्री किसी भी सदस्य को अध्यक्ष के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करेंगे।

**Ans.** (1)

*व्याख्या – मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम की धारा 25 के अनुसार–*

- *अध्यक्ष की मृत्यु होने, त्यागपत्र देने या अन्यथा प्रकार से उसका पद रिक्त होने पर नए अध्यक्ष की नियुक्ति किए जाने तक राज्यपाल किसी अन्य सदस्य को अध्यक्ष के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करेगा।*
- *अध्यक्ष के अवकाश पर चले जाने पर या अन्यथा प्रकार से अपने कार्यों का निर्वहन करने में असमर्थ हो जाने की दशा में उसके पुनः कार्यभार संभालने तक राज्यपाल किसी अन्य सदस्य को अध्यक्ष के कार्यों का निर्वहन करने के लिए प्राधिकृत कर सकेगा।*

❐ **मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत, राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग को वित्तीय स्वायत्तता प्राप्त है?**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (I)]

(1) अनुच्छेद 20 (2) अनुच्छेद 15

(3) अनुच्छेद 22 (4) अनुच्छेद 33

**Ans.** (4)

❐ **कौनसा कथन राजस्थान मानवाधिकार आयोग के सम्बन्ध में गलत है–** [II Grade - 30.7.2023 (S- II)]

(1) यह आयोग राज्य में मार्च, 2000 से क्रियाशील है।

(2) वर्तमान में इसमें अध्यक्ष सहित कुल तीन सदस्य हैं।

(3) राज्य सरकार द्वारा आयोग के गठन की अधिसूचना 1999 में जारी की गई।

(4) आयोग स्वायत्त संस्था नहीं है।

**Ans.** (4)

❐ **कौन राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष नहीं था?**[पटवार-24.10.2021 (Shift - II)] [RAS-31.10.2015]

(1) जस्टिस कान्ता भटनागर (2) जस्टिस प्रेमचन्द जैन

(3) जस्टिस एन. के. जैन(4) जस्टिस एस. सगीर अहमद

**Ans.** (2)

*व्याख्या – राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष –*

*1. जस्टिस कान्ता कुमारी भटनागर ( 23 मार्च, 2000 - 11 अगस्त, 2000 ) ( त्यागपत्र )*

*2. जस्टिस सर्वोच्च न्यायालय सैयद सगीर अहमद ( 16 फरवरी, 2001 - 3 जून, 2004 ) ( त्यागपत्र )*

*3. जस्टिस अमर सिंह गोदारा ( कार्यवाहक ) ( 04 जून, 2004 - 06 जुलाई, 2005 )*

*4. जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन ( 16 जुलाई, 2005 - 15 जुलाई, 2010 ) ( सेवानिवृत्त )*

*5. जस्टिस जगत सिंह ( कार्यवाहक ) ( 19 जुलाई, 2010- 09 अक्टूबर, 2010 )*

*6. पुखराज सिरवी ( कार्यवाहक ) ( 26 अक्टूबर, 2010- 13 अप्रैल, 2011 )*

*7. एच.आर. कुड़ी ( कार्यवाहक ) ( 14 जून, 2012- 10 मार्च, 2016 )*

*8. प्रकाश टाँटिया ( 11 मार्च, 2016 से 26 नवम्बर, 2019 ( त्यागपत्र )*

*9. महेश चन्द्र शर्मा ( कार्य. ) ( जुलाई, 2020-2021 )*

*10.गोपाल कृष्ण व्यास ( 22 जनवरी, 2021 से 24.1.2024 )*

*11.जस्टिस रामचन्द्रसिंह झाला ( कार्यवाहक ) ( 12 फरवरी, 2024 - 26 जून, 2024)*

*12. श्री गंगाराम मूलचन्दानी ( 27 जून, 2024 से ....)*

Scanned with OKEN Scanner

❐ **मार्च, 2022 तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के माननीय अध्यक्ष कौन हैं?** [पटवार-23.10.2021 (Shift -I)]
[कृषि पर्यवेक्षक- 18.09.2021]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-16.05.2022 (II)]
(1) श्री अशोक मीणा (2) श्री गोपालकृष्ण व्यास
(3) श्री महेश गोयल (4) श्री सविता राठी
**Ans.** (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग 23 मार्च, 2000 से अपने पहले अध्यक्ष ..... की नियुक्ति के साथ कार्यशील हो गया था।** [CET -11.2.2023 (S-II)]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022]
(1) आर.के. अकोदिया (2) जस्टिस सुश्री कांता भटनागर
(3) जस्टिस आलम शाह खान(4) जस्टिस बी.एल. जोशी
**Ans.** (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **निम्नलिखित में से किसने सबसे कम कार्यकाल के लिए राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष का पद सँभाला?** [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]
(1) एस. सगीर अहमद (2) सुश्री कांता भटनागर
(3) प्रकाश टाटिया (4) अमर सिंह गोदारा
**Ans.** (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के ऐसे अध्यक्ष को चिह्नित कीजिए, जो उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश भी रहे?** [CET : 08.01.2023 (S-I)]
(1) कांता कुमारी भटनागर (2) गोपाल कृष्ण व्यास
(3) सैय्यद सगीर अहमद (4) नगेन्द्र कुमार जैन
**Ans.** (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राज्य मानव अधिकार आयोग कितने समय के भीतर मामले सुन सकता है-**[पुलिस कॉन्स्टेबल-14.06.2024 (II)]
(1) 2 साल (2) 1.5 साल (3) 1 साल (4) 6 महीने
**Ans.** (3)

❐ **राजस्थान मानवाधिकार आयोग मानवाधिकारों के उल्लंघन की शिकायतों की जाँच कर सकता है-**
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
[JEN (Mechanical) Degree - 20.05.2022]
**1. स्वप्रेरणा से, 2. किसी पीड़ित द्वारा उसे अर्जी प्रस्तुत किये जाने पर, 3. किसी पीड़ित की ओर से किसी व्यक्ति द्वारा उसे अर्जी प्रस्तुत किये जाने पर।**
(1) 1 और 2 सही है। (2)1 और 3 सही है।
(3) 2 और 3 सही है। (4) 1, 2 और 3 सही है।
**Ans.** (4)

*व्याख्या : राज्य मानवाधिकार आयोग के कार्य एवं उसमें निहित शक्तियाँ (धारा12): आयोग निम्नलिखित सभी या किन्हीं कृत्यों का निष्पादन करेगा, अर्थात-(क) स्वप्रेरणा से या किसी पीड़ित या उसकी ओर से किसी व्यक्ति द्वारा उसे प्रस्तुत याचिका पर -(1) मानव अधिकारों के उल्लंघन या उसके अपशमन की, या (2) किसी लोक सेवक द्वारा उस उल्लंघन को रोकने में उपेक्षा की शिकायत की जांच करेगा,*

❐ **राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के निम्नांकित सदस्यों में से कौन सबसे कम कार्यकाल अवधि के लिए पद पर रहे हैं?** [II Grade GK - 21.12.2022]
(1) बी.एल. जोशी (2) जस्टिस अमरसिंह गोदारा
(3) नमोनारायण मीणा (4) आर. के. आकोदिया
**Ans.** (3)

*व्याख्या – राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य-*
1. *जस्टिस अमर सिंह गोदारा ( 07.07.2000 से 06.07.2005 )*
2. *जस्टिस आर.के.आकोदिया ( 25.03.2000 से 06.07.2005 )*
3. *जस्टिस बी. एल. जोशी ( 25.07.2000 से 06.07.2004 )*
4. *प्रो. आलमशाह खान ( 24.03.2000 से 17.05.2005 ) ( स्वर्गवास )*
5. *नमो नारायण मीणा ( 11.09.2003 से 23.03.2004 ) ( त्यागपत्र )*
6. *जस्टिस जगत सिंह ( 10.10.2005 से 09.10.2010 )*
7. *धर्मसिंह मीणा ( 07.07.2005 से 06.07.2010 )*
8. *पुखराज सिरवी ( 15.04.2006 से 13.04.2011 )*
9. *एच.आर. कुडी ( 01.09.2011 से 31.08.2016 )*
10. *एम. के. देवराजन ( 01.09.2011 से 31.08.2016 )*
11. *जस्टिस महेशचन्द्र शर्मा ( 03.10.2018 से 29.01.2021 )*
12. *श्री महेश गोयल ( 22.01.2021 से 24.01.2024 )*
13. *श्री रामचन्द्रसिंह झाला ( 16.01.2023 से ..... )*
14. *श्री अशोक कुमार गुप्ता ( 16.01.2023 से ..... )*

❐ **निम्न में से कौनसा एक राज्य मानव अधिकार आयोग का कार्य नहीं है?** [RAS Pre -26.10.2013]
(1) मानव अधिकार के उल्लंघन की स्वेच्छा से जाँच
(2) किसी जेल को देखना
(3) मानव अधिकारों की सुरक्षा का पुनर्वालोकन करना।
(4) मानव अधिकारों का उल्लंघन करने वालों को सजा देना
**Ans.** (4)

Scanned with OKEN Scanner

*व्याख्या : इस प्रकार आयोग का कार्य मुख्यतः सिफारिशी या सलाहकार का होता है। आयोग मानवाधिकार उल्लंघन के दोषी को दंड देने का अधिकार नहीं रखता है और न ही पीड़ित को किसी प्रकार की आर्थिक या अन्य सहायता प्रदान कर सकता है।*

❐ राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के कार्य निम्नांकित में से कौनसे है? [II Grade GK - 24.12.2022]

1. मानवाधिकार के क्षेत्र में शोध तथा उसका संवर्धन करना।
2. मानवाधिकार का प्रचार प्रसार करना तथा प्रकाशन, मीडिया, सेमिनार, या अन्य उपलब्ध साधनों के माध्यम से इसके संरक्षण के लिए उपलब्ध रक्षोपाय की जागरूकता को बढ़ावा देना।
3. मानवाधिकार के क्षेत्र में गैर सरकारी संगठनों एवं संस्थाओं के प्रयासों को प्रोत्साहित करना।

(1) 1, 2, 3 सही है (2) 1 और 2 सही है
(3) केवल 2 सही है (4) 2 और 3 सही हैं

**Ans.** (1)

❐ राज्य मानव अधिकार आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है- [CET : 04.02.2023 (S-I)]

(1) राज्य सरकार को (2) राज्य के महाधिवक्ता को
(3) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को
(4) उच्च न्यायालय को

**Ans.** (1)

*व्याख्या : राज्य मानव अधिकार आयोग अपनी वार्षिक अथवा विशेष रिपोर्ट केन्द्र सरकार व संबंधित राज्य सरकारों को भेजता है। इन रिपोर्ट्स को संबंधित विधायिका के समक्ष रखा जाता है।*

❐ राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के पास... की अध्यक्षता में अपनी स्वयं की एक जांच एजेंसी का प्रावधान है। [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)]

(1) एक पुलिस अधिकारी जो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद से नीचे का न हो
(2) एक पुलिस अधिकारी जो पुलिस अधीक्षक के पद से नीचे का न हो।
(3) एक पुलिस अधिकारी जो उप महानिरीक्षक के पद से नीचे का न हो।
(4) एक पुलिस अधिकारी जो महानिरीक्षक के पद से नीचे का न हो।

**Ans.** (4)

*व्याख्या : राज्य आयोग के अधिकारी व कर्मचारी ( धारा 27 ) :*
- *सचिव जो राज्य सरकार के सचिव के रैंक से नीचे का नहीं होगा।*
- *महानिरीक्षक रैंक का पुलिस अधिकारी और उसके अधीन पुलिस और अन्य अन्वेषणकर्ता कर्मचारी।*
- *अन्य आवश्यक प्रशासनिक, तकनीकी एवं वैज्ञानिक स्टॉफ।*
- *राज्य आयोग राज्य सरकार को एक वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगा। इसे राज्य विधानमंडल में सदन के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। ( धारा 28 )*
- *आयोग के सदस्य व अधिकारी भारतीय दंड संहिता की धारा 21 के अंतर्गत लोक सेवक समझे जाते हैं।*

❐ सुमेलित कीजिए- [II Grade (GK) 29.1.2023]

| | |
|---|---|
| (A) मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम | (1) 2000 |
| (B) राज्य मानवाधिकार आयोग का गठन | (2) 1993 |
| (C) मानवाधिकार संरक्षण (संशोधन) अधिनियम | (3) 2006 |
| (D) राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के बारे में अधिसूचना | (4) 1999 |

| कूट : | (A) | (B) | (C) | (D) | | (A) | (B) | (C) | (D) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (1) | 3 | 1 | 4 | 2 | (2) | 2 | 1 | 3 | 4 |
| (3) | 1 | 3 | 4 | 2 | (4) | 2 | 3 | 1 | 4 |

**Ans.** (2)

❐ राजस्थान मानवाधिकार आयोग के कार्यक्षेत्र में सभी प्रकार के वे मानव अधिकार आते हैं जो शामिल ( सम्मिलित ) हैं- [Assistant Professor-22.9.2021]

1. नागरिक एवं राजनीतिक अधिकार
2. आर्थिक अधिकार
3. सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकार

(1) केवल 1 एवं 2 (2) केवल 1 और 3
(3) केवल 2 ओर 3 (4) 1, 2 एवं 3

**Ans.** (4)

*व्याख्या : राजस्थान मानवाधिकार आयोग मानवाधिकारों के उल्लंघन की दशा में केवल उन्हीं मामलों की जांच करेगा जो संविधान की सप्तम अनुसूची की सूची II एवं III में प्रविष्ट किये गये हैं, अर्थात् नागरिक, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक -सांस्कृतिक आदि।*

Scanned with OKEN Scanner